प्रश्न –पत्र का प्रारूप

कक्षा– 10 विषय– हिन्दी अनिवार्य अवधि– 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक –80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्रं.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	16.50	20.62
2.	अवबोध / अर्थग्रहण	22.50	28.12
3.	ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति	31	38.75
4.	कौशल / मौलिकता	10	12.50
	योग	80	99.99

2. प्रश्नों के प्रकार एवं अंकभार –

क्रं.सं.	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत	सम्भावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पात्मक					
2.	अतिलघूत्तरात्मक	4	4		05	05 मिनट
3.	लघूत्तरात्मक ।	16	4x1-15=6 12x2=24	30	37.5	60 मिनट
4.	लघूत्तरात्मक ।।	4	3x3=9 1x4=4	13	16.25	30 मिनट
5.	निबंधात्मक	5	6x4=24 8x1=8	32	40	75 मिनट
	योग	29		75		170 मिनट

विकल्प योजना : आन्तरिक

पुनरावलोकन – 10 मिनट
पूर्व पठन – 15 मिनट

3. विषय वस्तु का अंकभार –

क्रं.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	अपठित गद्यांश	04	5
2.	अपठित पद्यांश	04	5
3.	निबंध लेखन	08	10
4.	पत्र लेखन–कार्यालय पत्र एवं व्यावसायिक	04	5
5.	क्रिया विशेषण	02	2.5
6.	कारक, काल, वाच्य	03	3.75
7.	समास	02	2.5
8.	वाक्य शुद्धि	02	2.5
9.	मुहावरा	02	2.5
10.	लोकोक्तियां	01	1.25
11.	व्याख्या (क्षितिज के पद्यांश से)	06	7.5
12.	व्याख्या (क्षितिज के गद्यांश से)	06	7.5
13.	निबन्धात्मक प्रश्न विकल्प सहित (क्षितिज के पद्यांश से)	06	7.5
14.	निबन्धात्मक प्रश्न विकल्प से (क्षितिज के गद्यांश से)	06	7.5
15.	लघूत्तरात्मक प्रश्न (क्षितिज के पद्यांश से)	06	7.5

मॉडल प्रश्न पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

विषय :–हिन्दी अनिवार्य　　कक्षा– 10　　पूर्णांक :– 80

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई / उप इकाई	ज्ञान				अवबोध				ज्ञानोपयोगी / अभिव्यक्ति				कौशल / मौलिकता				योग
		अति लघु	लघु.		निबं	अति लघु	लघु.		निबं	अति लघु	लघु.		निबं	अति लघु	लघु.		निबं	
			SA1	SA2			SA1	SA2			SA1	SA2			SA1	SA2		
1.	अपठित गद्यांश	2(2)	–	–	–	–	2(1)	–	–	–	–	–	–	–	–	–		4(3)
2.	अपठित पद्यांश	2(2)	–	–	–	–	2(1)	–	–	–	–	–	–	–	–	–		4(3)
3.	निबंध लेखन	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	8(1)	8(1)
4.	पत्र लेखन	–	–	–	–	–	2(–)	–	–	–	–	2(1)	–	–	–	–		4(1)
5.	क्रिया विशेषण	–	2(1)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–		2(1)
6.	कारक, काल, वाच्य	–	–	3(1)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–		3(1)
7.	समास	–	2(1)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–		2(1)
8.	वाक्य शुद्धि	–	–	–	–	–	–	–	–		2(1)	–	–	–	–	–		2(1)
9.	मुहावरा	–	–	–	–	–	2(1)	–	–		–	–	–	–	–	–		2(1)
10.	लोकोक्तियां	–	–	–	–	–	–	–	–	1(1)	–	–	–	–	–	–		1(1)
11.	व्याख्या (क्षितिज के पद्यांश से)	–	–	–	–	–	–	–	–		2(–)	–	4(1)*	–	–	–	–	6(1)
12	व्याख्या (क्षितिज के गद्यांश से)	–	–	–	–	–	–	–	–		2(–)	–	4(1)*	–	–	–	–	6(1)
13.	निबन्धात्मक प्रश्न (क्षितिज के पद्यांश से)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3(–)	3(1)*	–	–	–	–	6(1)
14.	निबन्धात्मक प्रश्न (क्षितिज के गद्यांशसे)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	6(1)*	–	–	–	–	6(1)
15.	लघूत्तरात्मक प्रश्न (क्षितिज के पद्यांश से)	–	4(2)	–	–	–	2(1)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	6(3)
16.	लघूत्तरात्मक प्रश्न (क्षितिज के गद्यांश से)	–	–	–	–	–	2(1)	–	–		2(1)	–	–		2(1)			6(3)
17.	अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (क्षितिज के पद्यांश से)	–	–	–	–	–	3(2)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3(2)
18.	अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (क्षितिज के गद्यांश से)		1.5(1)	–	–	–	1.5 (1)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3(2)
19.	कवि परिचय (क्षितिज के पद्य से)	–	–	–	–	–	–	3(1)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3 (1)
20.	लेखक परिचय (क्षितिज के गद्य से)	–	–	–	–	–	–	3(1)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3 (1)
21.	कुल	4(4)	9.5(5)	3(1)	–	–	16.5(8)	6(2)		1(1)	8(2)	5(1)	17(4)		2(1)		8(1)	80(30)
22.		16.5(10)				22.5(10)				31(8)				10(2)				80(30)

विकल्पों की योजना :–

नोट :– कोष्ठक में बाहर की संख्या अंको की तथा भीतर प्रश्नों के लिए है।

माध्यमिक परीक्षा–2018

नमूने का प्रश्न–पत्र

कक्षा–10

विषय – हिंदी अनिवार्य

अनुक्रमांक □□□□□□□□

अवधि– 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक– 80 अंक**

खण्ड – 1

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

देश–प्रेम क्या है? प्रेम ही तो है। इस प्रेम का आलम्बन क्या है? सारा देश अर्थात् मनुष्य पशु, पक्षी, नदी, नाले, वन–पर्वत सहित सारी भूमि। यह प्रेम किस प्रकार का है? यह साहचर्यगत प्रेम है, जिनके मध्य हम रहते हैं, जिन्हें बराबर आँखों से देखते हैं, जिनकी बातें बराबर सुनते हैं, जिनका और हमारा हर घड़ी का साथ रहता है, जिनके सान्निध्य का हमें अभ्यास हो जाता है, उनके प्रति लोभ या राग हो सकता है। देश–प्रेम यदि वास्तव में अन्तःकरण का कोई भाव है तो यही हो सकता है।

1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1
2. देश–प्रेम का आलम्बन क्या है? 1
3. सान्निध्य या अभ्यास से वस्तु के प्रति क्या उत्पन्न हो जाता है? 2

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ
चाह नहीं, सम्राटों के शव पर
हे हरि! डाला जाऊँ
चाह नहीं, देवों के सिर पर
चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ
मुझे तोड़ लेना बनमाली

उस पथ पर तुम देना फेंक
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ पर जाए वीर अनेक।

4. उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

5. रेखांकित शब्द ''इठलाऊँ'' का अर्थ बताइए। 1

6. उपर्युक्त काव्यांश की मूल संवेदनाएँ लिखिए। 2

खण्ड – 2

7. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए। 8

(क) कन्या भ्रूण हत्या : एक अभिशाप

(i) प्रस्तावना

(ii) कन्या भ्रूण हत्या के कारण

(iii) कन्या भ्रूण हत्या रोकने के उपाय

(iv) उपसंहार

अथवा

(ख) राष्ट्र की समृद्धि में गाय का योगदान

(i) प्रस्तावना

(ii) गो संरक्षण के उपाय

(iii) कृषि कार्य में गोवंश की उपादेयता

(iv) उपसंहार

अथवा

(ग) भारतीय संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण

(i) प्रस्तावना

(ii) वृक्ष संरक्षण

(iii) नदी पर्वत संरक्षण

(iv) उपसंहार

अथवा

(घ) यदि मैं भारत का प्रधानमंत्री होता!

(i) प्रस्तावना

(ii) सुरक्षा एवं विकास

(iii) सामाजिक समरसता

(iv) उपसंहार

8. स्वयं को उदयपुर निवासी अर्पिता मानते हुए अपने जिला पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा संबंधी पत्र लिखिए, जिसमें आपके मोहल्ले में बाहरी लोगों द्वारा की जा रही संदेहास्पद गतिविधियों का उल्लेख हो। 4

अथवा

स्वयं को भरतपुर का पुस्तक विक्रेता अजय कुमार मानते हुए गीताप्रेस, गोरखपुर को एक पत्र लिखिए, जिसमें धार्मिक पुस्तकें खरीदने की माँग हो।

खण्ड – 3

9. क्रिया–विशेषण अव्यय की सोदाहरण परिभाषा लिखिए। 2

10. ''पेड़ पर पक्षी बैठा है।'' वाक्य में निहित कारक, काल और वाच्य लिखिए। 3

11. कर्मधारय समास की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। 3

12. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। 2

(क) खरगोश को काट कर गाजर खिलाओ। 1

(ख) यहाँ शुद्ध गाय का दूध मिलता है। 1

13. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए। 2

(क) गूलर का फूल होना। 1

(ख) आँख का तारा होना। 1

14. ''डूबते को तिनके का सहारा'' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए। 1

खण्ड – 4

15. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 2+4=6

प्रसार तेरी दया का कितना,
ये देखना है तो देखे सागर
तेरी प्रशंसा का राग प्यारे,
तरंग मालाएँ गा रही हैं।

तुम्हारा स्मित हो जिसे निखरना,
वो देख सकता है चन्द्रिका को।
तुम्हारे हँसने की धुन में नदियाँ,
निनाद करती ही जा रही हैं।

अथवा

देखैं छिति अंबर जलै है चारि ओर छोर,
तिन तरबर सब ही कौं रूप हर्‌यौ है।
महाझर लागै जोति भादव की होति चलै,
जलद पवन तन सेक मानों पर्‌यौ है।
दारून तरनि तरैं नदी सुख पावैं सब,
सीरी घन छाँह चाहिबौई चित धर्‌यौ है।
देखौ चतुराई सेनापति कविताई की जू,
ग्रीषम विषम बरसा की सम कर्‌यौ है ।।

16. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 1+5=6

मान लीजिए कि पुराने जमाने में भारत की एक भी पढ़ी–लिखी न थी। न सही। उस समय स्त्रियों को पढ़ाने की जरूरत न समझी गई होगी। पर अब तो है। अतएव पढ़ाना चाहिए। हमने सैकड़ों पुराने नियमों, आदेशों और प्रणालियों को तोड़ दिया है या नहीं? तो चलिए, स्त्रियों को अपढ़ रखने की इस पुरानी चाल को भी तोड़ दें। हमारी प्रार्थना तो यह हैं कि स्त्री शिक्षा के विपक्षियों को क्षण भर के लिए भी इस कल्पना को अपने मन में स्थान न देना चाहिए कि पुराने जमाने में यहाँ की सारी स्त्रियाँ अपढ़ थीं अथवा उन्हें पढ़ने की आज्ञा न थी।

अथवा

जेलर साब! (थोड़ा दुःखी होकर) मैं एक आँख से इन्हें देखता हूँ, तो दूसरी आँख से इन्हें देश की दुःखी जनता को देखता हूँ। एक कान से इनकी पुकारें सुनता हूँ। जेलर साहब! मातृभूमि, मेरी माँ की माँ है, देश मेरे पिता का पिता है। मेरे देशवासी मेरे परिजनों से बढ़ कर हैं। यदि मेरे घरवालों के दुःख आँसू भारत माता के होठों पर सुख–स्वतंत्रता की मुस्कान रचा सके, तो मैं अपने परिवार की हर कराह, हर आँसू सहने को तैयार हूँ।

17. ''कन्यादान'' कविता के आधार पर कन्यादान की प्राचीन एवं आधुनिक अवधारणा स्पष्ट कीजिए। (शब्द सीमा– 200 शब्द) 6

अथवा

कवि देव के पदों के आधार पर श्रीकृष्ण के गुणकथन का वर्णन कीजिए। (शब्द सीमा– 200 शब्द)

18. ''आह मेरा गोपालक देश'' कहकर महादेवी वर्मा क्या संदेश देना चाहती है? ''गौरा'' संस्मरण के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (शब्द सीमा– 200 शब्द) 6

अथवा

''ईर्ष्या तू न गयी मेरे मन से'' पाठ के आधार ईर्ष्यालु मनुष्य के चरित्र की कमजोरियों का वर्णन कीजिए। (शब्द सीमा– 200 शब्द) 6

19. ''सूरदास'' पाठ के आधार पर राधा–कृष्ण के मध्य हुए वार्तालाप का सारांश लिखिए। 2

20. ''राजिया रा सोरठा'' पाठ के आधार पर कवि ने हिम्मत के विषय में क्या विचार व्यक्त किये हैं?

21. ''अभी न होगा मेरा अंत'' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए। 2

22. ''एक अद्‌भुत अपूर्व स्वप्न'' नामक पाठ के वर्ण्य विषय का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 2

23. सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को देखकर आप क्या करेंगे? 2

24. सड़क पर वाहन चलाते समय क्या–क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए? 2

25. ''आ गई वापस जान, दूब की झुलसी शिराओं के अन्दर'' पंक्ति से नागार्जुन का क्या आशय है? 1½

26. ''दृग जल से पा बल बलि कर दूँ
जननि, जन्म श्रम संचित फल''
उपर्युक्त पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 1½

27. ''आखिरी चट्‌टान'' निबंध का लेखक एक टीले से दूसरे टीले पर क्यों पहुँचना चाहता था। 1½

28. सच्चे गुरु की संगति का क्या प्रभाव पड़ता है? ''लोकसंत पीपा'' पाठ के आधार पर समझाइये। 1½

29. महाकवि गोस्वामी तुलसीदास का जीवन परिचय दीजिए। 3

30. मुंशी प्रेमचंद का जीवन परिचय दीजिए। 3

उत्तर तालिका – हिंदी

प्रश्न संख्या	अपेक्षित उत्तर	खंडवार अंक	अंक	पाठ्य पुस्तक की संख्या
1.	देश प्रेम	–	1	–
2.	सारा देश अर्थात मनुष्य, पक्षी, पशु, नदी, नाले, वन–पर्वत सहित सारी भूमि	–	1	–
3.	उनके प्रति लोभ या रोग हो सकता है।	–	2	72
4.	पुष्प की अभिलाषा	–	1	160
5.	इतराना	–	1	165
6.	पुष्प की अभिलाषा है कि न वह सौंदर्य सामग्री के रुप में काम आना चाहता है, न वह सम्राटों के शव पर चढ़ना चाहता है, न ही देवों के मस्तक पर। अपितु वह देश के प्रति न्योछावर होने वाले वीरों के पथ पर बिछाना चाहता है।	–	2	168
7.	सम्बन्धित विषय पर सारगर्मित निबन्ध स्वीकार्य।	–	8	169
8.	उचित प्रारुप में लिखा पत्र स्वीकार्य	2+2	4	180
9.	जिन शब्दों के अर्थ से क्रिया की विशेषता प्रकट हो।		2	184
10.	अधिकरण, वर्तमान काल, कर्त्तवाच्य।	1+1+1	3	186
11.	जिस समास का प्रथम पद विशेषण और दूसरा पद विशेष्य हो। जैसे– नील गाय, काला घोड़ा, महाविद्यालय आदि।	–	2	94
12.	(क) खरगोश को काटकर गाजर खिलाओ। (ख) यहाँ गाय का शुद्ध दूध मिलता है।	1+1	2	7
13.	(क) दुर्लभ होना (ख) अत्यधिक प्रिय	1+1	2	–
14.	संकट के समय थोड़ी सी सहायता का भी बहुत महत्व होता है।	–	1	–
15.	पाठ्यपुस्तक क्षितिज के पाठ जयशंकर प्रसाद, पाठ प्रभो! प्रदत्त पद्यांश की यथा संभव सारगर्भित व्याख्याा स्वीकार्य। अथवा पुस्तक क्षितिज के पाठ सेनापति का ऋतु वर्णन, प्रदत्त पद्यांश की सारगर्भित व्याख्या स्वीकार्य।	2+4	6	21 10
16.	पाठ्यपुस्तक क्षितिज के पाठ स्त्री शिक्षा के विरोधी कुर्तकों का खंडन से प्रदत्त गद्यांश की उचित व्याख्याा स्वीकार्य। अथवा पुस्तक क्षितिज के पाठ– अमर शहीद लेखक– लक्ष्मीनारायण रंगा गद्यांश की उचित व प्रासंगिक व्याख्या स्वीकार्य।	2+4	6	56 67
17.	पाठ्यपुस्तक क्षितिज के पाठ–कन्यादान लेखक–ऋतुराज से उद्‌घत पाठ के आधार पर उचित व प्रासंगिक अवधारणा स्वीकार्य (प्राचीन व आधुनिक अवधारणा के संदर्भ में)। अथवा पुस्तक क्षितिज के पाठ–4 देव के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण के गुणकथन जैसे– पीत वसन, पैरों में घुँघरु, माथे पर मोर मुकट, चंचल नयन, मंद–मंद मुस्कान।	3+3	6	32 13
18.	पाठ्यपुस्तक क्षितिज के पाठ– गौरा लेखिका– महादेवी वर्मा के अनुसार गाय के प्रति अपनत्व एवं कृतज्ञता जैसे– मानवीय भावों का उद्‌घाटन, गाय के प्रति आस्था और करुणा का भाव, गाय की वात्सल्यता, सीधापन साथ की मनुष्य का गाय एवं पशुओं के साथ क्रूरता एवं मनुष्य का स्वार्थी भाव स्वीकार्य। अथवा	-	6	88

उत्तर तालिका – हिंदी

	पुस्तक क्षितिज के पाठ– ईर्ष्या तू न गयी मेरे मन से लेखक– रामधारी सिंह दिनकर के संदर्भ में– ईष्यालु व्यक्ति दूसरों से ईर्ष्या कर अपने जीवन मूल्यों का ह्रास करता है। वह उन्नति नहीं कर सकता, वह उपलब्ध साधनों का आनन्द भी नहीं उठा सकता आदि भाव स्वीकार्य।			82
19.	पाठ्यपुस्तक क्षितिज के पाठ–सूरदास के संदर्भ में पद संख्या 01 का भावार्थ स्वीकार्य	–	2	01
20	पाठ्यपुस्तक क्षितिज के पाठ– राजिया रा सोरण संख्या 07 पद के अनुसार भाव स्वीकार्य	–	2	17
21.	पाठ्यपुस्तक क्षितिज के पाठ– अभी न होगा मेरा अन्त, कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का केन्द्रीय भाव जीवन में निराश न होना, कर्म करते रहना, आशावादी होना एवं जीने की इच्छा से पूर्ण सम्बंधी भाव स्वीकार्य	–	2	24
22.	पाठ्यपुस्तक क्षितिज के पाठ– एक अद्भूत अपूर्व स्वप्न लेखक– भारतेन्दु हरिशचन्द्र के अनुसार मनुष्य द्वारा यश प्राप्ति की कामना एवं नाम अमर करने की लालसा में किए जाने वाले विभिन्न कार्य।	–	2	34
23.	पाठ्यपुस्तक क्षितिज के पाठ–6 सड़क सुरक्षा के अनुसार घायल व्यक्ति को प्राथमिक चिकित्सा सहायता उपलब्ध करवा कर चिकित्सालय पहुँचाना, परिजनों को सूचित करना, परिस्थिति के अनुसार घायल की सहायता करना, रक्तदान करना आदि।	–	2	106
24.	पाठ्यपुस्तक क्षितिज के पाठ– सड़क सुरक्षा के अनुसार यातायात के नियमों का पालन करना, वाहन धीरे चलाना, हेलमेट पहनना, नशा नहीं करना, वाहन को दुरस्त रखना आदि।	–	2	106
25.	पाठ्यपुस्तक क्षितिज के नागार्जुन की कविता 'कल और आज' के अनुसार पावस ऋतु के आगमन के कारण ग्रीष्म से झुलसी दूब में प्राणों का संचार होना सम्बंधी भाव...	–	1½	28
26.	पाठ्यपुस्तक क्षितिज के पाठ– सूर्यकांत 'निराला' की कविता 'मातृ वन्दना' के अनुसार कवि द्वारा सम्पूर्ण जीवन के संचित फल को मातृ भूमि पर न्योछावर करने सम्बंधी भाव...	–	1½	25
27.	पाठ्यपुस्तक क्षितिज के पाठ– 'आखिरी चट्टान' के अनुसार लेखक पश्चिमी क्षितिज का विस्तार देखना चाहता है।	–	1½	74
28.	पाठ्यपुस्तक क्षितिज के पाठ– लोक संत पीपा के अनुसार मनुष्य सांसारिक मोह माया त्यागकर भव सागर को पार कर सकता है।	-	1½	101
29.	महाकवि तुलसीदास जी के जीवन वृत्त को पाठ्य पुस्तक क्षितिज में वर्णित विवरण के अनुसार	-	3	04
30.	मुंशी प्रेमचंद का जीवन परिचय पाठ्य पुस्तक क्षितिज में लिखित विवरण स्वीकार्य	-	3	39